केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 328 मंगलवार 23 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

कोचिंग संस्थान में लगी आग से 15 की मौत

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब 3 बजे एक इमारत में भीषण आग लग गई। इमारत में स्थित कोचिंग संस्थान में लगी इस आग की चपेट में आने से 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम ने बचाव अभियान शुरू कर दिया। मौके पर 14 दमकल वाहन और हाइड्रोलिक सीढ़ी से लैस गाड़ियां पहुंचीं। आग लगने के बाद कई लोग इमारत से बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन कुछ लोग अंदर फंस गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने पुलिस महानिदेशक और अपर मुख्य सचिव (गृह) को खुद घटनास्थल का दौरा करने के कड़े निर्देश दिए। सीएम ने साफ किया है कि दोनों आला अधिकारी मौके पर जाकर व्यक्तिगत रूप से स्थिति का मुआयना करेंगे और इस पूरी लापरवाही पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री को सौंपेंगे।

आग की लपटों से बचने के लिए कुछ छात्र इमारत से कूद गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवक को पहली मंजिल से गिरते हुए देखा गया। अग्निशमन कर्मी गीले कंबल लेकर अंदर गए और ऊपरी मंजिल तक पहुंचकर सभी कमरों व शौचालयों की जांच की। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पाठक ने बताया कि निचली मंजिल पर पेट शॉप और ऊपरी मंजिल पर एनिमेशन सेंटर था। घटनास्थल पर स्ट्रेचर और बॉडी बैग भी देखे गए, जिससे हताहत होने की आशंका बढ़ गई है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर सक्रिय हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, "इस घटना में 14 बच्चों की मौत हो गई है और चार घायल बच्चों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घटना की उच्च–स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हमारी प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराना है। घटना कैसे और क्यों हुई, इसका पता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। अधिकारियों ने घटनास्थल पर तलाशी अभियान पूरा कर लिया है और पुष्टि की है कि अब कोई बच्चा वहां फंसा नहीं है। घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ बिना किसी नरमी के सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने पीड़ित परिवारों को पूरा समर्थन देने की बात दोहराई है और कहा है कि उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी।"

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि इस हादसे में अनेक लोगों की मौत तथा कई लोगों के घायल होने की घटना अति–दुखद है। मायावती ने कहा, ष्इस प्रकार की जानलेवा घटनाएं दिल को दहलाने वाली होती हैं तथा कितने ही परिवार की उम्मीदों को बिखेर देती हैं।ष उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया पर कहा, '–उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आग लगने की घटना में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है।

एक नजर

भरत भूषण तिवारी प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बांसी, (सिद्धार्थनगर)। भरत भूषण तिवारी के परिवार को न्याय दिलाने और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सोमवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों, ग्रामीणों एवं क्षेत्रीय लोगों ने एकजुट होकर उपजिलाधिकारी बांसी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित हो।

इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि जब समाज के विभिन्न वर्गों के लोग किसी पीड़ित परिवार के समर्थन में आगे आते हैं, तो यह केवल एक परिवार की लड़ाई नहीं रह जाती, बल्कि न्याय, सत्य और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का एक सामूहिक प्रयास बन जाता है।

उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी मां, परिवार और गांव की पीड़ा को देखते हुए समाज का आगे आना लोकतंत्र की मजबूती और जनसरोकारों के प्रति जागरूकता का प्रतीक है।

ज्ञापन सौंपने वालों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर जल्द से जल्द न्याय सुनिश्चित करने की मांग की तथा कहा कि पीड़ित परिवार के साथ समाज का पूरा समर्थन बना रहेगा।

पैकोलिया थाने में हुआ पौधरोपण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैकोलिया थाना परिसर में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम थाना प्रभारी अजय कुमार यादव की पहल पर संपन्न हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन और नगर पंचायत बभनान के अध्यक्ष राधेश्याम जायसवाल ने सहयोग किया। इस अवसर पर बरगद और अशोक सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में दैनिक भास्कर के गौर ब्लॉक प्रभारी परमानन्द द्विवेदी और दैनिक जागरण के संवाददाता अभयजीत सिंह भी उपस्थित थे। सभी मौजूद लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया।

सरकारी नौकरी के नाम पर पांच लाख की ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। गौर थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, गौर थाना क्षेत्र के सांवडीह गांव निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित का आरोप है कि वर्ष 2023 में आरोपी ने उसे सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। इस झांसे में आकर पीड़ित ने 26 जून 2023 को आरोपी को दो लाख रुपये नकद और तीन लाख रुपये ऑनलाइन माध्यम से दिए थे, इस प्रकार कुल पांच लाख रुपये का भुगतान किया गया।

शिकायतकर्ता ने बताया कि काफी समय बीत जाने के बाद भी उसे न तो नौकरी मिली और न ही उसके पैसे वापस किए गए। जब उसने अपनी रकम वापस मांगी, तो आरोपी ने टालमटोल करना शुरू कर दिया। बाद में पैसे मांगने पर आरोपी ने उसे धमकियां भी दीं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए गौर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अमानत में खयानत (धोखाधड़ी) और आपराधिक धमकी की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि लेनदेन से जुड़े सभी दस्तावेजों और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के रिकॉर्ड की गहनता से जांच की जा रही है।

आंधी से सड़क पर गिरा पेड़, गांधीनगर में दो कारें क्षतिग्रस्त, विद्युत पोल टूटा

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार दोपहर बस्ती में आई तेज आंधी के कारण गांधीनगर के मुख्य मार्ग पर एक विशाल नीम का पेड़ जड़ से उखड़कर सड़क पर गिर गया। इस घटना में एक विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो गया और सड़क किनारे खड़ी दो कारें दब गईं। गनीमत रही कि कारों में कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। पेड़ गिरने से बिजली के तार टूटकर सड़क पर फैल गए, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई और आवागमन पूरी तरह रुक गया। शहर के अन्य हिस्सों से भी पेड़ गिरने और होर्डिंग–बोर्ड टूटने की सूचनाएं मिली हैं। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। उनके साथ बिजली विभाग, नगर पालिका और पुलिस विभाग की टीमें भी मौजूद थीं। अधिकारियों के निर्देश पर जेसीबी मशीन मंगवाकर गिरे हुए पेड़ को हटाने का कार्य शुरू किया गया। बिजली विभाग की टीम ने सुरक्षा के मद्देनजर विद्युत आपूर्ति बंद कर टूटे हुए तारों को हटाने का काम किया। प्रशासन ने मौके पर भीड़ को नियंत्रित करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों को गति दी। मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने बताया कि पेड़ को काटकर हटाने और विद्युत आपूर्ति बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कार्य पूरा होने तक टूटे हुए बिजली के तारों और घटनास्थल से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

ड्यूटी से लौट रहे सिपाही की सड़क हादसे में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वॉल्टरगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में पुलिस विभाग के एक आरक्षी की मौत हो गई। यह घटना बालेडीहा के पास लगभग 11 बजे हुई, जब एक डग्गामार बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस खबर से पुलिस महकमे में शोक छा गया। सिद्धार्थनगर जनपद में तैनात आरक्षी मिथिलेश अपनी ड्यूटी समाप्त कर बाइक से अपने पैतृक घर हरदोई के कोठावा तहसील स्थित लोधौरा जा रहे थे। रास्ते में बालेडीहा के पास अवैध रूप से संचालित बताई जा रही एक मिनी बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आरक्षी मिथिलेश गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायल आरक्षी को बचाने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद घायल जवान को समय पर समुचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिल सकी। उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई और अंततः उन्हें बचाया नहीं जा सका।

आरक्षी मिथिलेश की मौत की खबर से उनके परिवार में गहरा दुख है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि वह ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे थे। मिथिलेश एक किसान परिवार से थे और नई भर्ती के तहत पुलिस बल में शामिल हुए थे।

वॉल्टरगंज एसओ सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

व्यापारी की संदिग्ध मौत: व्यापारियों ने कहा–निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुंडेरवा थाना क्षेत्र में जगदीशपुर निवासी व्यापारी उमेश अग्रहरि की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला गरमा गया है। सोमवार को बड़ी संख्या में व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन व्यापारी नेता जगदीश अग्रहरि के नेतृत्व में दिया गया।

परिजनों ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि मृतक उमेश अग्रहरि ने कुछ साल पहले व्यापार और मकान के लिए ब्याज पर कर्ज लिया था। परिवार का दावा है कि मूल राशि के साथ काफी अधिक रकम चुकाने के बावजूद उनसे लगातार और पैसे की मांग की जा रही थी। आरोप है कि इस दौरान उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और लगातार दबाव व धमकियों का सामना करना पड़ा।

मृतक के पुत्र राहुल अग्रहरि ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि आर्थिक और मानसिक दबाव के कारण उनके पिता अत्यधिक तनाव में रहने लगे थे। परिवार का आरोप है कि लगातार उत्पीड़न और धमकियों से परेशान होकर उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों ने मामले में मुकदमा दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

एसपी कार्यालय पहुंचे व्यापारियों ने इस घटना पर जिले के व्यापारी वर्ग में गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी अन्य व्यापारी को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

व्यापारी नेता जगदीश अग्रहरि ने पीड़ित परिवार के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ग्राम पंचायत बड़ौदा मे स्वास्थ्य और पोषण तथा स्वच्छता पर हुई चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सुपोषित मिशन बस्ती के 12वें दिन बाल विकास परियोजना अधिकारी विक्रमजोत, मुख्य सेविका सरिता सिंह, मुख्य सेविका तनु पांडे के साथ ग्राम पंचायत बड़ौदा के रामनगर केंद्र पर पहुंचे और वहां पर उपस्थित लाभार्थियों के समक्ष स्वास्थ्य और पोषण तथा स्वच्छता पर चर्चा की। इसके पश्चात सीडीपीओ ने नई पोषाहार से विभिन्न प्रकार की रेसिपी जो कार्यकर्तीयों ने बनाई थी, उसको सभी लोगों को टेस्ट कराया तथा खुद उसका स्वाद चखा, उपस्थित ग्राम प्रधान श्रीमती पूनम देवी के प्रतिनिधि अंशु द्विवेदी ने भी पोषाहार रेसिपी का स्वाद चखा।

सीडीपीओ बलराम सिंह ने बताया कि इस नई पोषाहार में सभी प्रकार की पोषक तत्व उपलब्ध हैं और इसको नियमित रूप से सेवन करने से सब प्रकार की कुपोषण की समाप्ति होती है। इसके बाद उपस्थित लाभार्थी समूह को सीडीपीओ ने पोषाहार का वितरण किया, उसके पश्चात ग्राम पंचायत बैध बढ़रिया मूडाडिहा में पांच अति कुपोषित गंभीर बच्चों के माता–पिता से स्वास्थ्य और पोषण पर चर्चा किया तथा उन बच्चों को केला, आम, बिस्कुट का वितरण किया तथा उन सभी को नए पोषाहार को भी वितरित किया। सीडीपीओ ने उनके माता–पिता से बताया की नई पोषाहार का प्रयोग करके हम कुपोषण से बच्चों को मुक्ति दिला सकते हैं। साथ ही बुधवार को सभी बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत बुलाया गया है जहां पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा और आवश्यकता अनुसार दवाई भी दी जाएगी।

छेड़खानी की शिकायत पर कार्रवाई न होने का आरोप, एसपी से लगाई न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर गांव के युवक पर नाबालिग लड़की के साथ छेड़खानी, मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता शिवसहाय ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके रिश्तेदार की 15 वर्षीय बेटी कुछ दिनों से उनके घर रह रही है और कभी–कभी उनकी किराना दुकान पर बैठ जाती है।

आरोप है कि गांव का ही अब्दुल रहमान पिछले कुछ समय से किशोरी के साथ छेड़खानी कर रहा था। डर के कारण किशोरी ने पहले किसी को इसकी जानकारी नहीं दी। 20 जून को उसने परिजनों को घटना के बारे में बताया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपी युवक को बुलाकर समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि उसने गाली–गलौज, हाथापाई और जान से मारने की धमकी दी।

शिकायतकर्ता का कहना है कि स्थानीय पुलिस से शिकायत करने के बावजूद भी अब्दुल रहमान पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि उनके खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

प्रस्तावित एथेनॉल फैक्ट्री के विरोध में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भानपुर तहसील अंतर्गत ग्राम दसिया में प्रस्तावित एथेनॉल फैक्ट्री के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य तत्काल रोकने तथा परियोजना के पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभावों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। सतिराम चौधरी, आशाराम चौधरी और रामविलास चौधरी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में बताया कि ग्राम दसिया, थाना रूधौली, तहसील भानपुर में एथेनॉल फैक्ट्री का निर्माण कार्य चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री के आसपास लगभग 14–15 गांव स्थित हैं तथा करीब 200 मीटर की दूरी पर दो सरकारी विद्यालय भी मौजूद हैं, जिससे बड़ी आबादी सीधे तौर पर प्रभावित हो सकती है। सरदार सेना के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल और जिला अध्यक्ष विनय चौधरी ने कहा कि ज्ञापन में उठाई गई मांगों को तत्काल पूरा किया जाए और फैक्ट्री का कार्य रुकवाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने किसानों और ग्रामीणों की चिंताओं को गंभीरता से नहीं लिया तो वे किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन में कहा गया है कि एथेनॉल उत्पादन में अत्यधिक मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है, जबकि क्षेत्र में पहले से ही भूजल स्तर लगातार गिर रहा है। ऐसे में फैक्ट्री के संचालन से भूजल का अत्यधिक दोहन होगा, जिससे किसानों, ग्रामीणों और पशुओं के लिए पेयजल एवं सिंचाई जल का गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। साथ ही फैक्ट्री से निकलने वाले अपशिष्ट एवं प्रदूषण से पर्यावरण, कृषि भूमि, जल स्रोतों तथा ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका भी जताई गई है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों के बीच कोई समुचित जनसुनवाई नहीं कराई गई है और न ही पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईटी) की जानकारी सार्वजनिक की गई है। उन्होंने निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच तथा पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभावों का विस्तृत आकलन कराने की मांग की है। साथ ही जांच पूरी होने तक किसी भी प्रकार की निर्माण अथवा संचालन संबंधी अनुमति पर रोक लगाने की भी मांग की गई है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान सतीराम चौधरी, आशाराम चौधरी, एस० वी० चौधरी, श्रीकान्त, प्रफुल चौधरी, हिमांशु पाठक, राम विलास चौधरी, बाल कृष्ण, बाबी सिंह, अभय सिंह , अशोक सिंह, प्रवीन निगम, आविद अली, अजीत सिंह, ओम प्रकाश चौधरी, फुलचन्द्र , राकेश, मनोज चौधरी, हृदय राम चौधरी, प्रफुल्ल चौधरी, राजा भैया सुरेंद्र चौधरी, सुमित चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भरत भूषण तिवारी की मौत से रोषः मेधा ने किया दोषी पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज कराने, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को मेधा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने बिहार के भोजपुर निवासी भरत भूषण तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत के विरोध में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि मामले की उच्च स्तरीय जांच के साथ ही दोषी पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज कर पीड़ित परिवार को सरकार द्वारा 5 करोड़ का मुआवजा दिया जाय। मेधा के इस प्रदर्शन को कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ज्ञानू के साथ ही अन्य संगठनों ने समर्थन दिया।

ज्ञापन देने के बाद प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी ने कहा कि भरत भूषण तिवारी की पुलिस द्वारा निर्मम हत्या की गई है, जो दुर्भाग्यपूर्ण और जघन्य अपराध है। इस प्रकार की घटनायें लोकतंत्र और कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कहा कि पुलिस की ऐसी कार्रवाई कानून पर हमला है और न्यायालयों की व्यवस्था का भी अपमान है।

मेधा ने राष्ट्रपति से मांग किया है कि भरत भूषण तिवारी की मौत की निष्पक्ष जांच उच्चतम न्यायालय के किसी अवकाश प्राप्त न्यायाधीश से कराई जाए। मेधा ने मांग किया कि भरत भूषण तिवारी की मौत का विरोध कर रहे परिजनों, विभिन्न संगठनों के लोगों के विरूद्ध दर्ज फर्जी मुकदमों को तत्काल वापस लेकर उत्पीड़न बंद कराया जाय। ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से रूद्र आदर्श पाण्डेय, वृजेश द्विवेदी, उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', राहुल तिवारी, अंशू चौरसिया, राजेश चौधरी, गिरीश चन्द्र, नागेश मिश्र, संजय प्रधान, अवधेश मिश्र, शास्त्री, डी.सी. दूबे के साथ ही अनेक लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 जून 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

नवजागरण का नया दौर

किसी भी राष्ट्र का पुनर्जागरण केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं होता, बल्कि उसकी सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय आत्मविश्वास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सुशासन और जनसहभागिता के समन्वय से होता है। भारत की विकास–यात्रा इसी सत्य की पुष्टि करती है। 1947 में भारत और पाकिस्तान दोनों ने स्वतंत्रता प्राप्त की, किंतु दोनों देशों ने अपने–अपने विकास के लिए भिन्न मार्ग चुने। पाकिस्तान जहाँ राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और वैचारिक द्वंद्व से जूझता रहा, वहीं भारत ने लोकतांत्रिक संस्थाओं, संवैधानिक मूल्यों और विकासोन्मुख नीतियों के आधार पर अपनी यात्रा निरंतर आगे बढ़ाई।महात्मा गांधी का यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है।कि भारत की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। इसी भावना के अनुरूप आधुनिक भारत ने विकास की ऐसी अवधारणा को अपनाने का प्रयास किया जिसमें गाँव, गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग सभी विकास प्रक्रिया के सहभागी बन सकें।

पिछले एक दशक में भारत के राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायी शासन, पारदर्शिता, डिजिटल प्रशासन और परिणाम आधारित राजनीति की अवधारणा अधिक सशक्त होकर उभरी है। जनता अब केवल वादों का नहीं, बल्कि कार्यों और उपलब्धियों का मूल्यांकन करने लगी है। यही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है।

इसी कालखंड में अनेक महत्वपूर्ण संवैधानिक एवं नीतिगत निर्णय लिए गए। अनुच्छेद 370 का निरसन, तीन तलाक पर कानून, नागरिकता से संबंधित नई नीतियों पर विमर्श तथा संसद की कार्यप्रणाली के आधुनिकीकरण जैसे कदमों ने भारतीय राजनीति में व्यापक चर्चा को जन्म दिया। इन निर्णयों के समर्थक इन्हें राष्ट्रीय एकीकरण और प्रशासनिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण मानते हैं, जबकि आलोचक इनके विभिन्न संवैधानिक और सामाजिक पहलुओं पर प्रश्न उठाते रहे हैं। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि उसमें विविध मतों का सम्मान बना रहता है।

भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण भी इस दशक की प्रमुख उपलब्धियों में गिना जाएगा। योग और आयुर्वेद को वैश्विक पहचान मिली। भारतीय भाषाओं, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रयास तेज हुए। अयोध्या में राममंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का प्रतीक बनकर उभरा। शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राचीन विज्ञान और सांस्कृतिक विरासत को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने के प्रयास किए गए।

आज भारत की सांस्कृतिक कूटनीति इसी व्यापक दृष्टि को विश्व के समक्ष प्रस्तुत कर रही है। आर्थिक क्षेत्र में भी भारत ने उल्लेखनीय परिवर्तन देखे। मेक इन इंडिया, जीएसटी, डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, यूपीआई, स्टार्टअप इंडिया तथा आधारभूत संरचना के विस्तार ने आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान की। रेलवे, सड़क, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल नेटवर्क के विस्तार ने भारत की विकास क्षमता को सुदृढ़ किया। वित्तीय समावेशन और डिजिटल भुगतान प्रणाली ने भारत को विश्व में एक विशिष्ट पहचान दिलाई।

यद्यपि आर्थिक उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हैं, फिर भी बेरोजगारी, आय–असमानता, ग्रामीण–शहरी विषमता तथा कृषि क्षेत्र की चुनौतियाँ अभी भी गंभीर चिंतन का विषय हैं। किसान आंदोलनों और रोजगार संबंधी बहसों ने यह स्पष्ट किया है कि विकास की गति के साथ–साथ उसका न्यायपूर्ण वितरण भी उतना ही आवश्यक है।

विदेश नीति के क्षेत्र में भारत ने संतुलित, बहुआयामी और आत्मविश्वासपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया है। वैश्विक दक्षिण की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने, बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाने तथा प्रमुख शक्तियों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने के कारण भारत का अंतरराष्ट्रीय महत्व निरंतर बढ़ा है। भारत की कूटनीतिक क्षमता और वैश्विक नेतृत्व को नई पहचान प्रदान की।

भारत आज एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है जहाँ विकास, सांस्कृतिक आत्मगौरव, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय सुरक्षा समानांतर रूप से आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही लोकतांत्रिक संवाद, सामाजिक समरसता, समान अवसर और संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

यदि विकास के साथ संवेदनशीलता, विज्ञान के साथ संस्कृति, प्रगति के साथ प्रकृति और शक्ति के साथ नैतिकता का संतुलन बना रहा, तो भारत केवल एक विकसित राष्ट्र ही नहीं, बल्कि विश्व को दिशा देने वाली सभ्यता के रूप में पुनः प्रतिष्ठित होगा।

अगर धमकी देते देते पाकिस्तान ने सचमुच युद्ध छेड़ दिया तो भारत क्या करेगा?

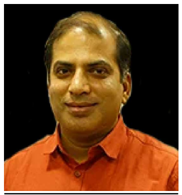

–नीरज कुमार दुबे–

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत अब हर मोर्चे पर निर्णायक जवाब देने की क्षमता रखता है। आतंकवाद, घुसपैठ, जल विवाद या सीमा पर उकसावे की हर हरकत का जवाब नए भारत की सेना उसी भाषा में देना जानती है। बड़बोले ख्वाजा आसिफ कभी भारत को परमाणु बम की धमकी देते हैं, कभी जल युद्ध की हुंकार भरते हैं और कभी देशी विदेशी मीडिया को दिए गए साक्षात्कारों में यह कबूल करते नजर आते हैं कि हर जंग में पाकिस्तान की फौज को भारत के हाथों मुंह की खानी पड़ी है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की ताजा गीदड़ भभकी भी उसी बौखलाहट का नतीजा है, जो आतंकवाद के सहारे भारत को अस्थिर करने की नाकाम कोशिशों के बाद अब पानी के मुद्दे पर नया शोर मचा रही है। असलियत यह है कि पाकिस्तान की सत्ता और सेना दोनों ही अपनी ही देश की नाकामियों को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रहे हैं।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर भारत के खिलाफ युद्ध की गीदड़भभकी दी है। एक पाकिस्तानी न्यूज चौनल को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि यदि पाकिस्तान की जल सुरक्षा से खिलवाड़ हुआ तो इस्लामाबाद भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने पानी को पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा बताते हुए आरोप लगाया कि भारत अगर जल आपूर्ति रोकने की दिशा में आगे बढ़ता है तो हालात युद्ध तक पहुंच सकते हैं। यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर पाकिस्तान को साफ संदेश दे दिया था कि आतंकवाद और बातचीत अब साथ–साथ नहीं चल सकते।

उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई सिंधु जल संधि के तहत सिंधु बेसिन से मिलने वाले जल से पाकिस्तान की करीब अस्सी प्रतिशत खेती चलती है। लेकिन दशकों तक आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान को अब इस बात का डर सताने लगा है कि संधि स्थगित होने के बाद भारत अपने हिस्से के जल का पूर्ण उपयोग करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जैसे जैसे भारत अपने अधिकार के पानी का इस्तेमाल बढ़ाएगा, वैसे वैसे पाकिस्तान की पहले से डगमगाती अर्थव्यवस्था और कृषि व्यवस्था पर संकट और गहराता जाएगा। साथ ही ख्वाजा आसिफ ने भारत पर चिनाब नदी के प्रवाह को हथियार की तरह इस्तेमाल करने और जल संबंधी सूचनाएं रोकने का आरोप लगाया है। हम आपको यह भी बता दें कि पाकिस्तान इस समय गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। सिंध और बलूचिस्तान जैसे इलाकों में हालात बेहद खराब बताए जा रहे हैं। सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक कई नहरों में भारी जल कमी दर्ज की गई है, जबकि पंजाब प्रांत पर तय हिस्से से ज्यादा पानी लेने के आरोप लग रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि पाकिस्तान के प्रांतों के बीच पानी को लेकर टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। यानी अपने ही घर में जल संकट और अव्यवस्था संभालने में नाकाम पाकिस्तान अब भारत पर आरोप लगाकर अपनी जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

लेकिन पाकिस्तान को समझना होगा कि यह पुराना भारत नहीं है। पिछले महीने भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने साफ शब्दों में दुनिया को बता दिया था कि भारत हर चुनौती का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है और यदि जरूरत पड़ी तो ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तीनों सेनाएं चौबीसों घंटे तैयारी कर रही हैं। सेना, वायुसेना और नौसेना के बीच तालमेल मजबूत किया जा रहा है और भविष्य के युद्ध की हर परिस्थिति को ध्यान में रखकर रणनीति बनाई जा रही है। जनरल द्विवेदी का यह बयान भारत की सैन्य शक्ति और आत्मविश्वास का परिचायक था। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध का मैदान पूरी तरह पारदर्शी हो चुका है, जहां दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है। भारतीय सेना सीमावर्ती इलाकों में सैनिकों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर सजग है। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत अब हर मोर्चे पर निर्णायक जवाब देने की क्षमता रखता है। आतंकवाद, घुसपैठ, जल विवाद या सीमा पर उकसावे की हर हरकत का जवाब नए भारत की सेना उसी भाषा में देना जानती है। ख्वाजा आसिफ की गीदड़ भभकियां पाकिस्तान की कमजोरी और डर को उजागर करती हैं, जबकि भारतीय सेना का शौर्य, अनुशासन और तैयारी यह साबित करती है कि देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को इस बार बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

फिर भी यदि मान लिया जाए कि अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की हिमाकत करता है तो सवाल उठता है कि भारत क्या करेगा? इसका जवाब यह है कि इस बार भारत की ओर से केवल सीमा पर जवाब नहीं मिलेगा, बल्कि जमीन, आसमान और समंदर तीनों मोर्चों पर पाकिस्तान को ऐसी मार झेलनी पड़ सकती है जिसकी कल्पना भी इस्लामाबाद के हुक्मरानों ने नहीं की होगी। भारतीय सेनाध्यक्ष के बयानों के अलावा, दुनिया भर की रक्षा रिपोर्टों और सैन्य विश्लेषणों का अध्ययन बताता है कि पारंपरिक युद्ध क्षमता, आधुनिक हथियारों, आर्थिक ताकत, सैन्य तकनीक और रणनीतिक तैयारी के मामले में भारत पाकिस्तान पर कई गुना भारी पड़ता है।

हम आपको बता दें कि दुनिया की सबसे अनुभवी और विशाल सेनाओं में शामिल भारतीय थलसेना के पास सैनिक संख्या, आधुनिक तोपखाना, मिसाइल शक्ति और युद्धक टैंकों का ऐसा जाल है जो पाकिस्तान की जमीनी रक्षा को चंद दिनों में चरमरा सकता है। भारत के पास पिनाका बहु नली रॉकेट प्रणाली, धनुष तोप, झ९ अजय टैंक, ट९० भीष्म टैंक और ब्रह्मोस जैसी घातक मारक क्षमता है। ब्रह्मोस मिसाइल ध्वनि की गति से कई गुना तेज रफ्तार से दुश्मन के ठिकानों को मिट्टी में मिला सकती है। हाल के वर्षों में भारत ने स्वदेशी रक्षा निर्माण को तेजी से मजबूत किया है, जिसके कारण सेना को लगातार आधुनिक हथियार और तकनीक मिल रही है।

भारतीय सेना का सबसे बड़ा फायदा उसका वास्तविक युद्ध अनुभव और ऊंचे पर्वतीय इलाकों से लेकर रेगिस्तान तक हर परिस्थिति में लड़ने की क्षमता है। दूसरी ओर पाकिस्तान की सेना लंबे समय से आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधनों से जूझ रही है। साथ ही भारत की रक्षा बजट क्षमता पाकिस्तान से कई गुना अधिक है, जिससे हथियारों की खरीद, तकनीकी उन्नयन और युद्ध तैयारी लगातार मजबूत होती जा रही है। साथ ही भारत रक्षा क्षेत्र में काफी हद तक आत्मनिर्भर है जबकि पाकिस्तान पूरी तरह चीन और दूसरे देशों पर निर्भर है।

वहीं भारतीय वायुसेना की बात करें तो यह वह ताकत है जो किसी भी आधुनिक युद्ध का रुख घंटों में बदल सकती है। भारतीय वायुसेना के पास रॅफेल, सुखोई तीस एमकेआई, तेजस और मिराज जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान हैं। रॉफेल को दुनिया के सबसे खतरनाक बहुउद्देश्यीय युद्धक विमानों में गिना जाता है। इसकी लंबी दूरी की मारक क्षमता और अत्याधुनिक राडार प्रणाली पाकिस्तान के अधिकतर विमानों पर भारी पड़ सकती है। कई वैश्विक सैन्य अध्ययनों में माना गया है कि भारत की वायु शक्ति संख्या और तकनीक दोनों में पाकिस्तान से बहुत आगे है।

भारतीय वायुसेना की सबसे घातक ढाल एस–400 वायु रक्षा प्रणाली है। यह प्रणाली सैकड़ों किलोमीटर दूर से दुश्मन के विमान, मिसाइल और ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर सकती है। हालिया सैन्य अभियानों और अभ्यासों में इस प्रणाली ने साबित किया कि पाकिस्तान की हवाई घुसपैठ या मिसाइल हमले को भारतीय रक्षा कवच के सामने टिकना बेहद कठिन होगा।

समंदर की बात करें तो भारतीय नौसेना पाकिस्तान की नौसैनिक क्षमता पर भारी बढ़त रखती है। भारत के पास विमानवाहक पोत विक्रांत, परमाणु पनडुब्बी अरिहंत, अत्याधुनिक युद्धपोत, विध्वंसक जहाज और लंबी दूरी तक मार करने वाली समुद्री मिसाइलें हैं। भारतीय नौसेना अरब सागर में पाकिस्तान के बंदरगाहों और समुद्री आपूर्ति मार्गों को घेर सकती है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा समुद्री व्यापार पर निर्भर है और यदि भारतीय नौसेना ने नाकेबंदी कर दी तो पाकिस्तान के लिए ईंधन, हथियार और व्यापारिक आपूर्ति बनाए रखना बेहद मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा, भारत की सबसे बड़ी ताकत केवल हथियार नहीं बल्कि तीनों सेनाओं के बीच बढ़ता तालमेल भी है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत भविष्य के युद्ध के लिए चौबीसों घंटे तैयारी कर रहा है और तीनों सेनाएं मिलकर समन्वित युद्ध रणनीति पर काम कर रही हैं। आधुनिक निगरानी प्रणाली, सूचना युद्ध, उपग्रह क्षमता और त्वरित हमला करने की तैयारी भारत को निर्णायक बढ़त देती है।

हालांकि यह भी सच है कि दोनों देशों के पास परमाणु हथियार हैं और किसी भी पूर्ण युद्ध का परिणाम पूरे क्षेत्र के लिए विनाशकारी हो सकता है। लेकिन पारंपरिक युद्ध क्षमता की बात करें तो वैश्विक रक्षा विश्लेषण साफ संकेत देते हैं कि भारत संख्या, तकनीक, अर्थव्यवस्था, हथियारों और रणनीतिक तैयारी के मामले में पाकिस्तान पर स्पष्ट रूप से भारी पड़ता है। यही कारण है कि पाकिस्तान बार बार गीदड़ भभकियां तो देता है, लेकिन सीधे युद्ध की कीमत चुकाने का साहस शायद ही जुटा पाए।

बहरहाल, सैन्य ताकत के साथ–साथ भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका निर्णायक नेतृत्व भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के सामने एक ऐसे सख्त और स्पष्ट नेता की छवि बनाई है जो देश की सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करता। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर से लेकर आतंकवाद के खिलाफ कड़े वैश्विक अभियान तक, मोदी ने यह साबित किया है कि नया भारत केवल चेतावनी नहीं देता बल्कि जवाब भी देता है। आज दुनिया के प्रमुख देशों के साथ भारत के मजबूत रणनीतिक संबंध हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मोदी की बात को गंभीरता से सुना जाता है। दूसरी ओर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर की स्थिति अपने ही देश में कमजोर और विवादों से घिरी हुई है। आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की छाया से जूझते पाकिस्तान के नेतृत्व की तुलना भारत के मजबूत और आत्मविश्वासी नेतृत्व से नहीं की जा सकती। यही कारण है कि जब भारत का नेतृत्व दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा होता है तो पाकिस्तान की धमकियां दुनिया को खोखली और बौखलाहट भरी ही नजर आती हैं।

अपना बोया ही काट रही ममता बनर्जी

–डॉ. आशीष वशिष्ठ–

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में सत्तासीन तृणमूल कांग्रेस को मिली ऐतिहासिक पराजय के बाद, जिस तरह पार्टी के विधायक और सांसद ममता बनर्जी से नाता तोड़ रहे हैं, उसने कई लोगों को हैरान किया है। लेकिन ममता बनर्जी पिछले 28–29 सालों से जिस तरह की सिद्धांतहीन राजनीति करती रही हैं, उसे देखते हुए इन जन–प्रतिनिधियों के कारनामे कुछ भी असामान्य नहीं लगते। वे बस वही कर रहे हैं जो ममता दीदी ने उन्हें सिखाया है। असल में, अच्छा शिष्य वही है जो अपने गुरु के दिखाए रास्ते पर चले। ये सांसद और विधायक भी वही कर रहे हैं जो ममता बनर्जी करती रही हैं, यानी बिना किसी सिद्धांत या आदर्शवादी राजनीति। किसी को सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करना और काम निकल जाने पर उसे छोड़ देना, बार–बार उससे मुंह मोड़ लेना और विपक्षी पार्टियों के विधायकों पर हमला करना। तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायकों और सांसदों पर मुख्य आरोप यह है कि तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद, वे अब विपक्षी भाजपा के साथ मिल रहे हैं, वही भाजपा, जिसे उन्होंने चुनाव के दौरान सांप्रदायिक पार्टी बताकर हराया था। लेकिन ममता बनर्जी ने भी 1998 में ऐसा ही किया था, जब उन्होंने 1 जनवरी 1998 को कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता बनर्जी को कांग्रेस से यह शिकायत थी कि राज्य में लेफ्ट फ्रंट को हराने के लिए कांग्रेस भाजपा के साथ हाथ क्यों नहीं मिला रही है? उस समय ममता भाजपा को सांप्रदायिक नहीं मानती थीं। उन्होंने यह भी कहा था कि भाजपा कोई सांप्रदायिक पार्टी नहीं है। तो, अगर अब तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक कह रहे हैं कि भाजपा सांप्रदायिक पार्टी नहीं है, तो इसमें क्या गलत है? वे बस अपनी प्रिय नेता के पदचिह्नों पर चल रहे हैं।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चार बार (2013, 2017, 2022 और 2024 में) अपना पक्ष बदला, लेकिन ममता बनर्जी अब तक पांच बार अपना पक्ष बदल चुकी हैं। इतिहास के पन्ने पलटे तो, बात 1997 की है, केंद्र में संयुक्त मोर्चा की सरकार थी। संयुक्त मोर्चा सरकार को बाहर से समर्थन दे रही कांग्रेस ने अपना समर्थन वापस ले लिया, नतीजतन नवंबर 1997 में सरकार गिर गई और 1998 में नए सिरे से लोकसभा चुनाव हुए। तब तक ममता कांग्रेस छोड़कर एक नई पार्टी बना चुकी थीं। चुनावों में ममता की तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के साथ सीट का समझौता किया और सात सीटें जीतीं। हालांकि, वह सरकार में शामिल नहीं हुईं क्योंकि उन्होंने राज्य में अपनी नई बनी पार्टी को मजबूत करने पर ध्यान दिया। 13 महीने बाद केंद्र सरकार गिर गई।

1999 के चुनावों के बाद एक नई सरकार बनी, जिसमें ममता बनर्जी रेल मंत्री बनीं। 2001 में, जब बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक थे, तो ममता को लगा कि कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन करना फायदेमंद रहेगा। इसलिए, मार्च 2001 में उन्होंने रक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार के मामले (तहलका स्टिंग ऑपरेशन) का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया। हालांकि, इससे भी बंगाल में लेफ्ट फ्रंट को हराया नहीं जा सका। लेफ्ट फ्रंट ने 199 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस को 31 प्रतिशत वोट के साथ सिर्फ 60 सीटें मिलीं।

अगले विधानसभा चुनाव में अभी पांच साल बाकी थे और केंद्र में भाजपा की सरकार थी। इसलिए, 2003 में ममता बनर्जी फिर से वाजपेयी सरकार में शामिल हो गईं। यह सितंबर 2003 में वाजपेयी सरकार में मंत्री बनीं, जबकि गुजरात दंगे डेढ़ साल पहले, यानी फरवरी 2002 में हो चुके थे। उन्होंने दंगों के लिए गुजरात में मोदी सरकार के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन जब अप्रैल 2002 में लोकसभा में वाजपेयी सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया, तो ममता की पार्टी ने वाजपेयी का समर्थन किया। इस समर्थन के बदले, कुछ महीनों बाद उन्हें फिर से मंत्री बनाया गया। ममता बनर्जी ने 2004 के लोकसभा और 2006 के विधानसभा चुनाव बीजेपी के साथ गठबंधन करके लड़े। हालांकि, जब उनकी पार्टी को दोनों चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा। 2004 के लोकसभा चुनावों में तृणमूल को सिर्फ एक सीट मिली और 2006 के विधानसभा चुनावों में न सिर्फ पार्टी का वोट शेयर घटा (26 प्रतिशत हो गया) बल्कि उसकी सीटें भी आधी रह गईं, तो ममता को लगा कि भाजपा के साथ गठबंधन करने का कोई फायदा नहीं है। केंद्र में भाजपा के सत्ता से बाहर होने के बाद, ममता बनर्जी ने फिर से कांग्रेस पार्टी का रुख किया। उन्होंने 2009 के लोकसभा चुनाव मिलकर लड़े। तृणमूल कांग्रेस ने 19 सीटें जीतीं। इस जीत से उत्साहित होकर, उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर 2011 का विधानसभा चुनाव लड़ा और सरकार बनाई। सरकार बनाने के ठीक एक साल बाद, ममता ने कांग्रेस से गठबंधन तोड़ दिया, क्योंकि उन्हें अब कांग्रेस की सीढ़ी की जरूरत नहीं थी, लेकिन वह यहीं नहीं रुकीं। वह उस सीढ़ी को ही आग लगाने पर आमादा थीं। इसलिए उन्होंने विपक्षी विधायकों को एक–एक करके तोड़ना शुरू किया और अगले पांच सालों में कांग्रेस पार्टी के 42 विधायकों को अपनी तरफ कर लिया। कांग्रेस ही पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस बन चुकी थी। उन्होंने लेफ्ट फ्रंट के चार विधायकों को भी पार्टी में शामिल किया, जबकि उन्हें उनकी जरूरत नहीं थी। इन विधायकों के बिना भी, पार्टी के पास 184 विधायकों का मजबूत बहुमत था। 2016 के विधानसभा चुनाव के बाद भी ममता बनर्जी ने विपक्षी विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करना जारी रखा, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने पहली बार अकेले चुनाव लड़ा था और 211 सीटें जीती थीं। उन्हें विपक्षी विधायकों को अपने पाले में लाने की जरूरत नहीं थी। फिर भी, अगले पांच सालों में उन्होंने कांग्रेस के 18 और लेफ्ट फ्रंट के 4 विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। यह सिलसिला 2021 के चुनावों के बाद भी जारी रहा, जब भाजपा के टिकट पर चुने गए 7 विधायक तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। इनमें से सिर्फ तीन या चार विधायकों ने अपनी सीट से इस्तीफा दिया और तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर उपचुनाव लड़ा। बाकी नेता अपनी सीटें छोड़े बिना तृणमूल कांग्रेस के साथ बने रहे। स्पीकर उनकी सदस्यता रद्द करने की याचिकाओं पर कोई फैसला नहीं ले रहे थे, जबकि वे अपना विधायी कार्यकाल पूरा करते रहे।

तन–मन भिगोने जल्द आ रहा है मानसून

–संजय सक्सेना–

उत्तर प्रदेश में गर्मी से परेशान लोगों के लिये जल्द अच्छी खबर आने वाली है। यूपी में मानसून 27 से 30 जून तक पूर्वी–पश्चिमी क्षेत्रों में दस्तक दे सकता है, जो 5 जुलाई तक पूरे राज्य में पूरी तरह छा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, जून के तीसरे सप्ताह से मानसूनी गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी और महीने के अंत तक अधिकांश जिलों में बारिश का दौर शुरू हो सकता है। पिछले वर्षों के ट्रेंड और आईएमडी की भविष्यवाणी के आधार पर, इस बार भी मानसून 27 से 30 जून के बीच राज्य में पहुंचने की उम्मीद थी, लेकिन कुछ विचलन के कारण पूर्वी यूपी में पहले और पश्चिमी यूपी में थोड़े बाद में आने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में मानसून का प्रवेश आमतौर पर दो चरणों में होता है। पूर्वी हिस्सों में मानसून 15 से 20 जून के बीच दस्तक देता है, जबकि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में 25 से 27 जून के बीच फैल जाता है। मेरठ, नोएडा और गाजियाबाद जैसे पश्चिमी क्षेत्रों में मानसून 27–30 जून तक आने की संभावना है। इस तरह पूर्वी यूपी में मानसून पहले प्रवेश करेगा और धीरे–धीरे पूरे प्रदेश में छाएगा। 5 जुलाई तक पूरे उत्तर प्रदेश में मानसून पूरी तरह छा जाएगा। वर्तमान में (22 जून 2026) देश के ज्यादातर हिस्सों में प्री–मानसून एक्टिविटी है और 23 जून के आसपास मानसून महाराष्ट्र, तेलंगाना, उड़ीसा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश में अधिकतम वर्षा दक्षिण–पश्चिम मानसून से प्राप्त होती है, जो जून से सितंबर तक केन्द्रित होती है। राज्य की कुल वर्षा में पहाड़ी क्षेत्रों में वार्षिक औसत 170 सेमी तक हो सकता है, जबकि पश्चिमी क्षेत्रों में 84 सेमी तक रहता है। इस बार भी उम्मीद है कि मानसून जमकर बरसेगा, लेकिन मौसम के तेवरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बारिश सावधानी भी मांगती है, क्योंकि भीषण गर्मी से राहत मिलने जा रही है, लेकिन तेज बारिश से थोड़ा–बहुत भी हो सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में वर्षा की मात्रा में परिवर्तनशीलता 25 फीसदी से कम, जबकि शेष उत्तर प्रदेश में 25 से 50 फीसदी के बीच रहती है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में वर्षा कहीं कम तो कहीं ज्यादा देखने को मिलती है। राज्य के पूर्वी भाग में पश्चिमी भाग की अपेक्षा अधिक वर्षा होती है। सबसे कम वर्षा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में प्राप्त होती है। यह एक महत्वपूर्ण पैटर्न है, क्योंकि बुंदेलखंड पिछले वर्षों से वर्षा की कमी के परिणाम है और इस क्षेत्र में कृषि पर सीधा प्रभाव होता है। पूर्वी यूपी में वर्षा अधिक होने के कारण खेती बेहतर होती, लेकिन पश्चिमी यूपी में भी पर्याप्त वर्षा की उम्मीद है। मध्य यूपी में वर्षा पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों के बीच के स्तर पर है।

बुंदेलखंड क्षेत्र में सबसे कम वर्षा प्राप्त होती है, जो इस क्षेत्र की जल संकट समस्या को बढ़ाती है। यह पैटर्न वर्षों से बना है और दक्षिण–पश्चिम मानसून के मार्ग में इस क्षेत्र की स्थिति के कारण है। बुंदेलखंड में वर्षा की कमी के कारण खेती पर गंभीर प्रभाव होता है और किसानों को संकट का सामना करना पड़ता है। इस क्षेत्र में जल संरक्षण, बांध निर्माण और सतत कृषि सुधार की भी आवश्यकता बढ़ जाती है। यदि इस बार भी बुंदेलखंड में वर्षा कम होती है, तो सरकार को जल संकट के समाधान के लिए तत्परता दिखानी चाहिए। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश में वर्षा कृषि पर सीधा प्रभाव डालती है, क्योंकि राज्य भारत का कृषि हृदय है। पूर्वी यूपी में अधिक वर्षा के कारण खेती बेहतर होगी, लेकिन बुंदेलखंड में वर्षा की कमी खेती को प्रभावित कर सकती है। बारिश से भीषण गर्मी से राहत मिलने जा रही है, लेकिन मौसम के तेवरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बारिश सावधानी भी मांगती है, क्योंकि तेज बारिश से बाढ़, भूस्खलन, जलभराव जैसे हालात हो सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा कृषि उत्पादन पर सीधा प्रभाव डालती है और शहरी क्षेत्रों में जल निकासी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

आंधी में गिर गए कई खंभे, बिजली सप्लाई में बांधा उत्पन्न

संवाददाता—देवरिया। सोमवार की दोपहर आई आंधी से एक दर्जन विद्युत पोल गिर गए। महज 10 मिनट की आंधी ने पांडेचक उपकेंद्र से जुड़े आधा दर्जन गांवों में खंभे तोड़कर हाहाकार मचा दिया है। पहले ही कटौती से जूझ रहे उपभोक्ता आंधी से पोल गिरने के चलते बेदम हो गए हैं। अभी विभाग टूटे हुए खंभों का व्यौरा जुटाने में लगा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार दोपहर लगभग 2:40 पर तेज हवा के झोंकों के साथ बारिश की संभावना थी। उसी समय बारिश तो नहीं आई लेकिन तेज आंधी आने के चलते रामपुर कारखाना के मझरटिया में दो, केसरपुर में दो, सिरसिया नंबर एक में दो, माधोपुर, करमहा और सूर्यपुरा में एक—एक बिजली का खंभा टूटकर गिर गया।

रोस्टर के मुताबिक बिजली बंद रहने से कोई हादसा नहीं हुआ। परसौना में आंधी से खंभे के साथ लगा ट्रांसफार्मर भी जमीन पर गिर गया। इसके चलते रामपुर कारखाना और देसही देवरिया उपकेंद्र की आपूर्ति कसया से बंद कर दी गई। पहले ही भीषण कटौती से जूझ रहे उपभोक्ताओं को एक दर्जन से अधिक बिजली का खंभा गिरने की सूचना मिलने से सकते में आ गए। अभी विभाग कसया ट्रांसमिशन से लेकर देसही देवरिया और पांडे चक उप केंद्र तक मेन लाइन की पेट्रोलिंग में लगा है। विभाग जल्द से जल्द आपूर्ति शुरू करने के लिए पहले मेन लाइन होल्ड करने की जुगत लगा रहा है। मेन लाइन होल्ड होने के बाद ही विभाग उप केंद्र के फीडर में आपूर्ति बहाल करने की कोशिश शुरू करेगा। विभागीय कर्मचारियों का कहना है कि अभी दोनों उपकेंद्र से जुड़े गांवों में बिजली के खंभे और तार गिरने की सूचना एकत्र की जा रही है।

अवर अभियंता पांडेयचक उपकेंद्र अखिलेश गुप्ता ने बताया कि तेज आंधी के चलते आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर बिजली के खंभे टूटकर गिर गए हैं। परसौना में ट्रांसफार्मर गिर गया है। सभी बिजली के खंभे और गिरे तार को सही कराने के लिए लाइनमैन को लेकर क्षेत्र में पेट्रोलिंग की जा रही है।

मेडिकल कालेज में मरीजों की रही भीड़, हुई नोकझोंक

संवाददाता—देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में मरीजों की भीड़ उमड़ी। सोमवार को करीब चार हजार से अधिक लोग पहुंचे थे। पर्ची काउंटर, ओपीडी से लेकर जांच व दवा के लिए मरीजों व तीमारदारों को देर तक इंतजार करना पड़ा। बुखार, पेट दर्द, नस, जोड़ों के दर्द, कान, श्वास, त्वचा व आंख रोग से पीड़ितों की संख्या अधिक रही। आर्थो, मेडिसिन, स्किन, बाल रोग, ईएनटी, नेत्र में लंबी कतार रही। पल्मोनरी मेडिसिन, सर्जरी, मानसिक रोग विभाग में भी मरीज अधिक रहे। पहले डॉक्टर कक्ष में जाने को लेकर धुक्का—मुक्की हुई, तो कुछ स्थानों पर नोकझोंक हुई।

मेडिकल कॉलेज में रविवार के अवकाश के बाद सोमवार को बड़ी संख्या में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तथा बिहार प्रांत के सीमावर्ती क्षेत्र के लोग पहुंचे थे। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर सुबह से लाइन लगने लगी। एमसीएच में काउंटर पर धक्का—मुक्की हुई। करीब 2600 से अधिक लोगों ने पर्चा लिया, जबकि फालोअप में पंद्रह सौ से अधिक लोग पहुंचे थे। आर्थो में अधिक भीड़ रही। इधर से गुजरने में दिक्कत हो रही थी। यहां करीब 610 से अधिक मरीजों का इलाज हुआ। इसमें नस, कमर, घुटना, गर्दन दर्द, सर्वाइकल व हड्डी टूटने से पीड़ित मरीज रहे। मेडिसिन में लंबी कतार रही। यहां 430 से अधिक मरीजों का इलाज हुआ। चेस्टपेन की शिकायत लेकर करीब दस मरीज पहुंचे थे। इसके अलावा बुखार, उल्टी, दस्त, पेट व सिर दर्द, सर्दी, खांसी, जुकाम, बीपी, शुगर के अधिक मरीज रहे। लोगों को इंतजार करना पड़ा। स्किन विभाग में करीब 325 मरीजों का इलाज हुआ। इसमें दिनाय, खुजली, दाने निकलने के पीड़ित मरीज अधिक रहे। बाल रोग विभाग में कतार रही। यहां 230 से अधिक मरीजों का उपचार हुआ। इसमें बुखार, खांसी, पेट दर्द, श्वास, उल्टी, दस्त से पीड़ित अधिक मरीज रहे। गंभीर करीब 13 मरीजों को भर्ती किया गया। ईएनटी में लंबी लाइन रही। कान में खुजली, दर्द, सनसनाहट, कम सुनाई देने से पीड़ित अधिक मरीज रहे। यहां करीब 220 से अधिक मरीजों का इलाज हुआ।

नेत्र रोग विभाग में भी भीड़ रही। यहां करीब 211 मरीज पहुंचे थे। इसमें आंख में खुजली, पानी आने, दर्द, चुभन, लालीपन व के अधिक मरीज रहे। सर्जरी में भी भीड़ रही। करीब 210 से अधिक मरीजों का इलाज हुआ। इसमें हेड इंजरी, पथरी, हार्निया सहित अन्य मरीज रहे। इन स्थानों पर पहले डॉक्टर कक्ष में जाने को लेकर लोगों में धक्का—मुक्की हुई। पल्मोनरी मेडिसिन में भी लाइन रही। यहां 160 से अधिक मरीज पहुंचे थे। इसमें श्वास, खांसी, एलर्जी, अस्थमा के अधिक मरीज रहे। मानसिक रोग में 120 मरीजों का उपचार हुआ। इसमें माइग्रेन, अनिद्रा, साइकोसिस, तनाव सहित अन्य दिक्कत लेकर लोग पहुंचे थे। दंत विभाग में 90 लोगों का उपचार हुआ। अस्पताल में भीड़ होने की वजह से उमस भरी गर्मी में मरीज व तीमारदार परेशान रहे।

एक्स—रे और दवा के लिए करनी पड़ी मशक्कत। मेडिकल कॉलेज में एक्स—रे और दवा के लिए लोगों को मशक्कत करनी पड़ी। तीनों जांच केंद्रों पर मरीजों की कतार रही। उन्हें इंतजार करना पड़ा। ओपीडी के पोर्टेबल डिजिटल एक्स—रे कक्ष के बाहर मरीजों की लाइन रही, उन्हें जांच कराने के लिए देर तक प्रतीक्षा करना पड़ा। दो डिजिटल एक्स—रे सेंटर पर सुबह से ही कतार लगने लगी। यहां पहले जांच कराने के लिए बगल से जाने पर लाइन में खड़े लोगों के विरोध करने पर नोकझोंक हुई। लोगों को लोगों को एक से डेढ़ घंटे तक प्रतीक्षा करना पड़ा, जिससे परेशानी हुई। यहां करीब 185 से अधिक मरीजों की जांच हुई।

ट्रांसफार्मर ब्लास्ट कर घर में घुसा आग का गोला, दंपति कई लोग झुलसा

संवाददाता—कुशीनगर। सोमवार की सुबह करीब नौ बजे रविंद्रनगर थाना क्षेत्र के कोहड़ा गांव में स्थापित ट्रांसफार्मर ब्लास्ट हो गया। इससे निकला आग का गोला एक व्यक्ति के घर में घुस गया। बरामदे में बैठे दो मासूम बच्चों सहित पति पत्नी भी झुलस गए। महिला की हालत गंभीर बताई गई है। बाइक सहित घर में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया। कोहड़ा में विद्युत आपूर्ति के दौरान ओवर हीटिंग के चलते खौलते ट्रांसफार्मर में आग लग गई। इसमें यकायक आग के गोले बन गये। एक गोला रेन्सफॉर्मर से करीब 30 मीटर दूर कोहड़ा गांव निवासी महेश्वर सिंह के बरामदे में गिरा, जिससे वहाँ बैठे महेश्वर 40,पुत्र स्वर्गीय सुदामा सिंह, अंगीरा 37 पत्नी महेश्वर , दिव्यांश पुत्र महेश्वर 6 वर्ष व शिवांश सिंह पुत्र महेश्वर 3 वर्ष सहित पूरा परिवार गंभीर रूप से झुलस गया।

उन्हें ग्रामीणों की मदद से सरकारी एम्बुलेंस बुलाकर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। वहां उनका इलाज चल रहा है, महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। इधर घटना की सूचना के बाद से ही गांव में रविंद्रनगर थाने की पुलिस के अलावा पीआरवी की दो दो गाड़िया गांव में जमी हुई है।घटना की सूचना पाकर एडीएम, एडिशनल एसपी और सीओ भी मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। इस संबंध में एएसपी सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि ट्रांसफार्मर की आग से पूरा कुनबा जल गया है। सबका ईलाज चल रहा है। पुलिस जांच कर रही है।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी मुनव्वर अली पुत्र अमीन साकिन हलीमनगर पो0 शुजागंज थाना कोतवाली रूदौली जिला—अयोध्या का निवासी हूं। प्रार्थी का पुत्र अम्मार राईन जो परिवार वालों के कहने सुनने में नही है और अपने मन का कार्य करता है, काफी समझाने—बुझाने के बावजूद मानने को तैयार नहीं है, जो कि परिवार और समाज के प्रति ठीक नही है बराबर—मारपीट व गाली—गलौज करता रहता है। अम्मार राईन का क्रियाकलाप परिवार व समाज के प्रतिकूल हो गया है गलत लोगो के संगत में लिप्त हो गया है जिससे परिवार के लोग काफी हरैन व परेशान है जो अब बर्दाश्त नही कर सकते। जिससे प्रार्थी ने अपने पुत्र अम्मार राईन को अपने समस्त चल व अचल सम्पत्ति से हमेशा के लिए दिनांक—19.06.2026 से बेदखल कर रहा हूं। प्रकाशन इस लिए करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आ सके।

प्रार्थी
मुनव्वर अली

चालान कार्रवाई पर भड़के सफाई कर्मचारी संघ,दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता—महराजगंज। उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ नगर पालिका परिषद महराजगंज के सफाई कर्मचारियों व अन्य कर्मियों ने सोमवार को वाहनों के चालान को लेकर नाराजगी जताते हुए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ऋषभ दुबे के नेतृत्व में पहुंचे कर्मचारियों ने नगर कोतवाली पुलिस पर सफाई कर्मियों का लगातार चालान कर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया।

अध्यक्ष ऋषभ दुबे ने कहा कि वे प्रतिदिन नगर के विभिन्न वार्डों में सफाई कार्य संपन्न करने के बाद उपस्थिति दर्ज कराने व अन्य विभागीय कार्यों के लिए बाइक से आवागमन करते हैं। इसके बावजूद उनके वाहनों के एक से दो हजार रुपये तक के चालान किए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि अधिकांश कर्मी करीब 11 हजार रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत हैं। ऐसे में बार—बार होने वाले चालान उनके लिए आर्थिक रूप से भारी पड़ रहे हैं। संघ के अनुसार मई व जून माह के दौरान 20 से 30 कर्मचारियों के वाहनों का चालान किया जा चुका है।

संघ पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि चालान की इस कार्रवाई से कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित हो रहा है और इसे वे उत्पीड़न मानते हैं। उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी कि यदि सफाई कर्मियों के खिलाफ चालान की कार्रवाई इसी प्रकार जारी रही तो कर्मचारी आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान सफाई नायक इंद्राशन, पूर्व अध्यक्ष कर्मचारी संघ चन्द्रिका, ड्राइवर मनीष कुमार, दुर्गेश खरबार, मुकेश भारती, दीपक गौड़, सुरेश कन्नौजिया, सफाई कर्मी टिंकू, धर्मेंद्र व अमित सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

ई—रिक्शे ने तोड़ा रेलवे ढाला, जंजीर बांध चलाई गईं ट्रेनें

संवाददाता—देवरिया। शहर के कसया रेलवे ढाला का फाटक सोमवार को ई—रिक्शा ने तोड़ दिया। जिसके चलते जंजीर बांध कर ट्रेनों का संचलन कराया गया। मौके पर पहुंची आरपीएफ ने ई—रिक्शा व चालक को पकड़ लिया। देर शाम तक इस मामले में केस दर्ज नहीं हो सका था।

दोपहर बाद 3 बजकर 10 मिनट पर भटनी की तरफ से एक मालगाड़ी के आने की सूचना मिली। जिसके बाद कसया रेलवे ढाला का गेटमैन ढाला बंद कर रहा था। इस बीच तेज गति से आ रहे एक ई—रिक्शा ने रेलवे फाटक को ही तोड़ दिया। जिसके चलते लाइन प्रभावित हो गई।

इसके बाद रेलवे ढाला में जंजीर बांध कर मालगाड़ी समेत अन्य ट्रेनों को पार कराया गया। मौके पर पहुंचे रेल कर्मचारियों ने काफी प्रयास के बाद साढ़े चार बजे रेलवे ढाला का मरम्मत कर दिया और भी जंजीर हटा दिया गया। फाटक टूटने के चलते डेढ़ घंटे तक कसया रेलवे ढाला पर जाम की स्थिति बनी रही। जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्टेशन अधीक्षक संदीप भटनागर ने बताया कि ई—रिक्शा से रेलवे फाटक टूटा है। मरम्मत करा दिया गया है।

मुख्यमंत्री का संभावित दौरा 26 को, प्रशासन अलर्ट

संवाददाता—देवरिया। देवरिया जिले के बरहज व रुद्रपुर विधान सभा क्षेत्र के मध्य बरांव स्थित श्रीहनुमान विद्या मंदिर इंटर कालेज के खेल मैदान में 26 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संभावित कार्यक्रम तय है। कार्यक्रम की सूचना आने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया और डीएम मधुसूदन हुल्गी, एसपी अभिजीत आर शंकर, सीडीओ राजेश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए तथा निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक भी की। अपने दौरे में मुख्यमंत्री रुद्रपुर और बरहज विधानसभा क्षेत्र की करोड़ों रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण कर सकते हैं।

सुबह 11 बजे बरांव विद्यालय के खेल मैदान में अधिकारियों का काफिला पहुंच गया, जिसे देख लोगों की भीड़ जुट गई। मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ गई। डीएम व एसपी ने एएसपी आनंद प्रकाश पांडेय, एसडीएम बरहज हरिशंकर लाल सहित राजस्व, पीडब्ल्यूडी, विकास आदि विभागों के अधिकारियों के साथ स्थलीय जायजा लेते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। अधिकारियों ने प्राथमिक विद्यालय व उससे सटे मकान के छत का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के लिए बरांव स्थित खेल मैदान के अलावा सटे गांव नेतवार की कृषि भूमि सहित करीब 70000 वर्ग मीटर जमीन अधिग्रहित किया जायेगा। इसमें जनसभा स्थल इके अलावा हेलीपैड, मंच, वीआईपी, जनप्रतिनिधियों की बैठक व्यवस्था, मीडिया गैलरी आदि बनाया जायेगा। जबकि जुटने वाली भीड़ के बैठक व्यवस्था के साथ लंच पैकेट वितरण आदि के बारे में चर्चा की गई। अधिकारियों ने कड़ी धूप में घंटों चाक—चौबंद व्यवस्था के बारे में समीक्षा करते हुए जिम्मेदारियां सौंपी। मौके पर नायब तहसीलदार बरहज रवींद्र मौर्य, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी अनिल पाल, थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद, महेंद्र चतुर्वेदी, वीरेंद्र कुमार, रामप्रताप, विशाल श्रीवास्तव मौजूद रहे।

बरांव स्थित श्रीहनुमान विद्या मंदिर इंटरमीडिएट खेल मैदान में 26 जून को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी का संभावित कार्यक्रम स्थली तय किया गया है। जिसको लेकर डीएम मधुसूदन हुल्गी, एसपी अभिजीत आर शंकर ने एएसपी आनंद प्रकाश पांडेय, एसडीएम बरहज हरिशंकर लाल आदि के अलावा पीडब्ल्यूडी, राजस्व, विकास आदि विभागों के अधिकारियों के साथ मदनपुर थाना और इंटर कालेज में अलग—अलग आवश्यक बैठक की। जिसमें अधिकारियों को कार्यक्रम को लेकर गंभीर रहने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि मुख्यमंत्री का संभावित कार्यक्रम 26 जून को बरांव स्थित खेल मैदान में तय है। इसकी तैयारियां की जा रही हैं। विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा—निर्देश दिए गए हैं।

गौशाला प्रकरण और पिटाई के विरोध में मोबाइल टॉवर पर चढ़ा बजरंग दल कार्यकर्ता

संवाददाता—महराजगंज। मदनपुरा गौशाला में मृत गायों की दुर्दशा का विरोध करने पर पुलिस द्वारा बजरंग दल कार्यकर्ताओं की कथित पिटाई के विरोध में सोमवार की शाम बड़ा हंगामा हो गया। अपनी मांगों को लेकर बजरंग दल के तीन कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर स्थित एक मोबाइल टॉवर पर चढ़ गए। इससे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम सदर जितेन्द्र कुमार व सीओ सदर अंकुर कुमार गौतम के अलावा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। टॉवर पर चढ़े कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। देर शाम तक पुलिस उन्हें समझाने के प्रयास में जुटी रही लेकिन वे नीचे उतरने को तैयार नहीं हुए। बजरंग दल के जिला सहसंयोजक हरीशंकर प्रताप कुशवाहा के अनुसार बीते 20 जून को संगठन के पदाधिकारी मदनपुरा गौशाला का निरीक्षण करने गए थे। आरोप है कि वहां दो गायें कई दिनों से मृत पड़ी थीं। जब कार्यकर्ताओं ने इस घोर लापरवाही का विरोध किया तो निचलौल थाने समेत कई थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निहत्थे गौभक्तों पर लाठीचार्ज किया और उन्हें घसीटा। इस घटना से नाराज बजरंग दल कार्यकर्ता चंदन दुबे, शशिकांत वर्मा व विवेक मौर्या सोमवार की शाम जिला मुख्यालय पर मोबाइल टॉवर पर चढ़ गए। टॉवर पर चढ़े कार्यकर्ताओं ने वहीं से नारेबाजी करते नजर आ रहे हैं। जिला प्रशासन को संबोधित मांग पत्र में उनकी मांग की है कि मदनपुरा गौशाला की देखरेख में लापरवाही बरतने वाले पशुपालन विभाग के दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों को तत्काल सस्पेंड किया जाए। साथ ही निचलौल थाने के जिन पुलिसकर्मियों ने गौभक्तों के साथ मारपीट की है उन पर मुकदमा दर्ज हो। इसके अलावा कार्यकर्ताओं ने शासन से गौमाता को अविलंब राष्ट्रमाता घोषित करने की भी मांग उठाई है।

रेपकांड में जांच करने पहुंची एसटीएफ, एसपी बोले दोषियों के खिलाफ होगी विधिक कार्रवाई

संवाददाता—बलरामपुर। भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र पचपेड़वा के एक गांव में थारू जनजाति की किशोरी के साथ हुए रेप कांड की जांच करने के लिए सोमवार को जिले में एसटीएफ पहुंची। एसटीएफ के पहुंचते ही पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन—फानन में अधिकारियों ने लोगों का बयान दर्ज कराया। जिले के वरिष्ठ पुलिस व स्वास्थ्य अधिकारी इस प्रकरण पर कुछ भी बोलने से बचते रहे। क्योंकि मामला किशोरी के गर्भपात से भी जुड़ा हुआ है।

भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र पचपेड़वा के जूडीकुइंया में बिना पंजीकरण संचालित नूर हेल्थ एंड फिजियोथेपी सेंटर पर थारू जनजाति की किशोरी के साथ हुए रेपकांड के बाद यह मामला चर्चित हुआ। दरअसल इसी सेंटर पर 15 वर्षीय थारू किशोरी का रेप के बाद गर्भपात कराया गया था। उस समय इसे तत्कालीन अपर सीएमओ संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सील करा दिया था। आरोप था कि पचपेड़वा के एक गांव की 15 वर्षीय थारू किशोरी को शादी का झांसा देकर कोहरगड्डी मठवा गांव निवासी जलाल अहमद ने कई बार दुष्कर्म किया। गर्भवती हो जाने पर जलाल अहमद ने नूर हेल्थ क्लीनिक के डॉक्टर सूफियान से सांठगांठ कर वहां पर उसका गर्भपात करा दिया था। उस समय पीड़िता की तहरीर पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी भी गिरफ्तार कर लिया गया था। उस समय एसीएमओ डॉ एसके श्रीवास्तव ने बताया था कि बगैर पंजीकरण के संचालित इस अस्पताल में लगातार गर्भपात कराया जा रहा है। कथित डॉक्टर अफजल सूफियान के खिलाफ थाना पचपेड़वा में केस दर्ज कराया गया था।

इस पूरे प्रकरण में एसटीएफ जिले में पहुंची। इसकी पुष्टि थाना पचपेड़वा के प्रभारी निरीक्षक ओपी सिंह चौहान ने किया। कहा कि बयान दर्ज करने के लिए एसटीएफ आई है। इस सन्दर्भ में एसीएमओ संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पचपेड़वा के अधीक्षक व अन्य लोगों के बयान दर्ज करने के लिए कहा है। जब हमने इस सन्दर्भ में एएसपी विशाल पाण्डेय से बात की तो उन्होंने हर बार की तरह इस बार भी मीटिंग में होने का बहाना बताकर प्रकरण से अनभिज्ञता जताई। हॉलाकि एसएचओ पचपेड़वा ने सारी बात को स्पष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश पर एसटीएफ की टीम आयी है। एक—एक कर सभी के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग में भी जो लोग इससे जुड़े हैं, उनका भी बयान दर्ज किया गया है।

एसपी ने बताया जिले में रेप प्रकरण में एसटीएफ आई है, उसका पूरा सहयोग किया जा रहा है। पुराना प्रकरण है, जिसमें पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। हाईकोर्ट के निर्देश पर पुनरू एसटीएफ को जांच सौंपी गई है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

ग्रेट निकोबार परियोजना के विरोध में कांग्रेस ने जुटाया जनसमर्थन

संवाददाता—महराजगंज। ग्रेट निकोबार द्वीप समूह में प्रस्तावित परियोजना के तहत बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई व आदिवासियों के संभावित विस्थापन के विरोध में कांग्रेस ने सोमवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के खुटहा बाजार में हस्ताक्षर अभियान चलाया। जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में आयोजित अभियान में कार्यकर्ताओं ने लोगों से समर्थन जुटाया व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर इस अभियान को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान किया। पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद ने कहा कि ग्रेट निकोबार में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई पर्यावरणीय संतुलन के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस द्वारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख बाजारों में भी हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसे लोगों का व्यापक समर्थन मिला। पूर्व प्रदेश महासचिव त्रिभुवन नारायण मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस आमजन से जुड़े मुद्दों को लगातार उठा रही है और जनता की आवाज को बुलंद करने का कार्य कर रही है।

कार्यकर्ताओं ने बाजार में घूम—घूम कर दुकानदारों व नागरिकों से हस्ताक्षर कराए तथा राहुल गांधी के अभियान में सहयोग करने की अपील की। अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपना समर्थन दर्ज कराया। संचालन जिला कोषाध्यक्ष कपिलदेव शुक्ल ने किया। इस दौरान जिला महासचिव अंबरीष शाही, मोहम्मद गनी, अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष रामनारायण प्रसाद, ब्लॉक अध्यक्ष शंकर वर्मा, बुनियाद अली, संदीप तिवारी, अकरम सुलेमानी, अरविंद कुमार, जंग बहादुर, घनश्याम गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भांजे की मौत पर जा रहे मामा समेत दो युवकों की मौत

संवाददाता—बहराइच। भांजे की मौत की खबर पर बाराबंकी के रामनगर जा रहे मामा समेत दो की मौत हो गई। एक अन्य घायल है जो मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। मुस्तफाबाद तीव्र मोड़ के पास पुलिस से टकराकर बाइक खड्ड में गिरने से दोनों की मौत हुई है। परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम को भेजा है। हादसा सोमवार सुबह करीब 7 बजे के आसपास हुआ है। अपाचे बाइक सवार तीन युवक लखनऊ की ओर जा रहे थे।अचानक तेज रफ्तार बाइक मुस्तफाबाद मोड़ के निकट पुलिया से टकरा गई और गहरे गड्ढे में जा गिरी।

हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार थाना कैसरगंज ग्राम भकरौली निवासी राममिलन (20) पुत्र फकीरे, मुकेश बुधई (30) पुत्र श्यामलाल निवासी उपरोक्त की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल रामकृष्ण पुत्र फकीरे निवासी भकरौली को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र मुस्तफाबाद में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल एक मृतक का भाई भी है। प्रभारी निरीक्षक जरवलरोड संतोष कुमार सिंह ने बताया मृतक के दोनों शवों को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तीनों बाइक सवार जिला बाराबंकी थाना रामनगर सिरौली गौसपुर निवासी भांजे की मौत पर अपनी बहन के यहां जा रहे थे।

ट्रिपल मर्डरः आधी रात को नाबालिग भाई ने भैया–भाभी और मासूम बेटे को मौत के घाट उतारा

संवाददाता–गोरखपुर। बांसगांव में रिश्तों को खून से रंग दिया। पिता पर बड़े भाई को अधिक महत्व देने का आरोप लगाने वाले 16 वर्षीय किशोर ने रविवार देर रात सोते समय बड़े भाई अमित गुप्ता, भाभी रंजना और तीन वर्षीय भतीजे रेयान की रॉड, हसिया और बांका से हमला कर हत्या कर दी। वारदात के समय कमरे में मौजूद गोद ली बेटी रुबिका किसी तरह बचकर दादा के पास पहुंची और घटना की जानकारी दी। बांसगांव थाना पुलिस ने आरोपित को घर की छत से हिरासत में लेकर हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया है। बांसगांव के बलुआ गांव में रविवार रात करीब ढाई बजे हुई इस वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार अमित गुप्ता अपनी पत्नी रंजना, तीन वर्षीय पुत्र रेयान और गोद ली बेटी रुबिका के साथ कमरे में सो रहे थे। गर्मी अधिक होने के कारण कमरे का दरवाजा खुला था। इसी दौरान 16 वर्षीय किशोर कमरे में पहुंचा और सो रहे अमित पर हमला कर दिया। जांच में सामने आया है कि आरोपित देर रात तक मोबाइल फोन चलाता रहा और परिवार के सोने का इंतजार करता रहा। इसके बाद वह रॉड, हसिया और बांका लेकर कमरे में पहुंचा।

पुलिस के मुताबिक सबसे पहले अमित के सिर पर रॉड से वार किया गया। इसके बाद हसिया और बांका से गर्दन व सिर पर कई वार किए गए। हमले की आवाज और हलचल से रंजना तथा रेयान की नींद खुल गई। इसके बाद आरोपित ने दोनों पर भी हमला कर दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय कमरे में मौजूद रुबिका की भी नींद खुल गई। आरोपित ने उसे भी निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह कमरे से निकलकर दादा हरिलाल गुप्ता के पास पहुंच गई और शोर मचाकर पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद रात करीब तीन बजे हरिलाल ने डायल–112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही बांसगांव पुलिस मौके पर पहुंची। एसएसपी डॉक्टर कौस्तुभ, एसपी दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने घर की तलाशी ली तो आरोपित छत पर छिपा मिला। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसके बाद हत्या में प्रयुक्त रॉड, हसिया और बांका भी बरामद कर लिया गया। पुलिस जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है।

आरोपी का आरोप है कि पिता हरिलाल गुप्ता बड़े भाई अमित और उनके परिवार को अधिक महत्व देते थे। हरिलाल घर के सामने किराना और अंडे की दुकान चलाते हैं। पहले दुकान पर आरोपित बैठता था, लेकिन करीब एक वर्ष पूर्व कोलकाता से लौटे अमित को दुकान की जिम्मेदारी सौंप दी गई थी। पिता चाहते थे कि किशोर पढ़ाई करे, जबकि वह कारोबार शुरू करने के लिए रुपये मांग रहा था। इसी बात को लेकर उसके मन में नाराजगी बढ़ती जा रही थी। घटना के बाद मां अनीता गुप्ता का रो–रोकर बुरा हाल है। एसपी दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी ने बताया पिता की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर किशोर को हिरासत में लिया गया है। दोपहर बाद उसे किशोर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में नवविवाहिता का शव पंखे से लटका मिला

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में सोमवार सुबह एक नवविवाहिता का शव घर के कमरे में पंखे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान रामपुर निवासी महेश चौरसिया की पत्नी कविता चौधरी के रूप में हुई है। वह महराजगंज जिले के हेमछापर सुखदेवपुर गांव निवासी रामकोमल चौरसिया की पुत्री थीं। परिजनों के अनुसार कविता की शादी इसी वर्ष 7 मई को महेश चौरसिया के साथ हुई थी। सोमवार सुबह करीब आठ बजे परिवार के लोगों ने कविता को घर के एक कमरे में पंखे से लटका देखा। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर पिपराइच पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। पिपराइच थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

राम मंदिर का चढ़ावा गिनने वाले 40 कर्मचारी हटाए

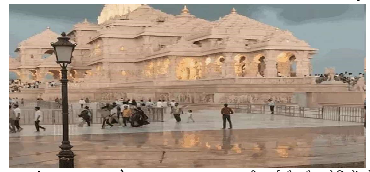

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर दान प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर ली है। सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट लगभग 150 पन्नों की है, जबकि जांच से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों को सात पेन ड्राइव में संकलित किया गया है। बताया जा रहा है कि शनिवार देर रात एसआईटी की टीम अग्रिम रिपोर्ट तैयार कर लखनऊ रवाना हो गई थी। जांच के दौरान राम मंदिर में दान की गणना कार्य से जुड़े लगभग 40 कर्मचारियों को हटाकर नए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। उनकी निगरानी व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। सूत्रों का कहना है कि जांच में जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका तय कर ली गई है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति रिपोर्ट में की गई है। इधर, यह भी चर्चा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय के कुछ अधिकारियों ने भी मामले की गोपनीय रिपोर्ट तैयार कर संबंधित स्तर पर भेज दी है। वहीं, इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस मामले से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई होनी है। याचिका में दान राशि प्रकरण की जांच सीबीआई अथवा किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराने की मांग की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं कि एसआईटी की जांच से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट और संभावित कार्रवाई पर टिकी हैं।

दुर्घटना में घायल युवक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। सड़क दुर्घटना में घायल क्षेत्र के लालपुर टीकर स्थित बीस बिगहा निवासी बुद्धिराम निषाद की इलाज के दौरान सोमवार सुबह मौत हो गई। आक्रोशित परिजन अस्पताल से शव लेकर गांव पहुंचे और ग्रामीणों के साथ डांगीपार मार्ग पर शव रखकर जाम लगाने का प्रयास किया। ग्रामीण दुर्घटना से जुड़े मामले में कार्रवाई और पीड़ित परिवार को सहायता की मांग कर रहे थे। सूचना पर पहुंची खोराबार पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। इस दौरान गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह भी मौके पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

विधायक ने अधिकारियों से भी आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने को कहा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।यह हुआ थाखोराबार क्षेत्र के लालपुर टीकर निवासी बुद्धिराम पत्नी प्रियांशी देवी के साथ जा रहे थे। 17 जून को हुए हादसे में पत्नी की मौत हो गई थी, जबकि बुद्धिराम घायल हो गए थे।

बाइक–जेसीबी की टक्कर, युवक की मौत– साथी जिला अस्पताल रेफर, बेटे का शव देख मां बेहोश

संवाददाता–गोरखपुर। धनघटा–खलीलाबाद मार्ग पर महुली थाना क्षेत्र के नाथनगर निबिहवा पोखरा के पास सोमवार को सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना में उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। महुली थाना क्षेत्र के कोनी गांव निवासी आदर्श सिंह (22) पुत्र सत्येंद्र सिंह अपने गांव के ही अभय सिंह पुत्र विजय सिंह के साथ बाइक से मुखलिसपुर की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक निबिहवा पोखरा के निकट सड़क के नीचे से एक जेसीबी मशीन अचानक सामने आ गई। इससे बाइक और जेसीबी की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाथनगर लेकर पहुंची। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद आदर्श सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल अभय सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद जेसीबी चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस दुर्घटना की जांच में जुटी हुई है। आदर्श की असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अस्पताल में मां शीला देवी बेटे का शव देखकर बार–बार बेहोश हो जा रही थीं। जबकि पिता सत्येंद्र सिंह भी सदमे में हैं। छोटे भाई आदित्य सिंह और बहन का रो–रोकर बुरा हाल था। युवक की मौत की खबर मिलते ही कोनी गांव में मातम छा गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंचकर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते रहे।

निजीकरण के विरोध में रजिस्ट्री कार्यालय पर जड़ा ताला

संवाददाता–गोरखपुर। रजिस्ट्री कार्यालय में फ्रंट ऑफिस के जरिए कार्य कराने के विरोध में सोमवार को अधिवक्ताओं एवं दस्तावेज लेखकों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कार्यालय में पहुंचे क्रेता विक्रेता एवं गवाहों को बाहर निकालकर गेट पर ताला जड़ दिया। इस कारण रजिस्ट्री कराने गए लोगों को बिना रजिस्ट्री के ही वापस जाना पड़ा, जबकि विभाग की राजस्व क्षति भी हुई। जिला अधिवक्ता बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण दामोदर पाठक ने कहा कि रजिस्ट्री विभाग का निजीकरण किया जा रहा है। जो कार्य अधिवक्ता और दस्तावेज लेखक करते हैं, उसे ठेका कर्मियों से कराने की तैयारी है। इस व्यवस्था से पूरा सिस्टम निजी हाथों में चला जाएगा।विरोध करने वालों में एसोसिएशन के मंत्री सीपी मिश्र, अधिवक्ता अभिनव श्रीवास्तव, शुभेंद्र सत्यदेव, मनोज गुप्ता, विशाल जायसवाल, महेश श्रीवास्तव, राहुल सिंह, रीना सक्सेना एवं अपर्णा अग्रहरि आदि शामिल शामिल थे।

मेंहदावल–धनघटा मार्ग को फोरलेन बनाने का प्रस्तावः दिशा बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता–संतकबीर नगर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्रीय समस्याओं और विकास कार्यों से जुड़े मुद्दे उठाए। बैठक के दौरान खलीलाबाद विधायक अंकुर राज तिवारी और धनघटा विधायक गणेश चौहान ने मेंहदावल से धनघटा मार्ग को फोरलेन बनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में तकनीकी फाइल तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि प्रस्ताव को जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को भेजा जा सके। जनप्रतिनिधियों ने इस मार्ग को जिले की लाइफलाइन बताते हुए इसके चौड़ीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत का स्वयं आकलन करें और पात्र लाभार्थियों से फीडबैक लेकर योजनाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करें। साथ ही जनहित से जुड़ी शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण करने के निर्देश दिए। खलीलाबाद विधायक अंकुर राज तिवारी ने परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देश दिया कि नगरीय क्षेत्रों में आवासों का वितरण पात्रता और मानकों के अनुरूप किया जाए। उन्होंने आवास योजनाओं के व्यापक प्रचार–प्रसार पर भी जोर दिया, ताकि पात्र परिवारों को इसकी जानकारी मिल सके। विधायक ने कहा कि कई बार पात्र लोगों को आवास का लाभ नहीं मिल पाता है, जिसकी विभागीय समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने जिले में जर्जर विद्युत तारों को बदलने और पोल शिफ्टिंग का कार्य सुरक्षा के मद्देनजर प्राथमिकता से कराने के निर्देश भी दिए। धनघटा विधायक गणेश चौहान ने समाज कल्याण अधिकारी को अभ्युदय योजना के तहत संचालित कोचिंग संस्थानों की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ जरूरतमंद छात्रों तक प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। विधायक ने काली–जगदीशपुर मार्ग को गड्ढामुक्त कराने की भी मांग की। जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव ने कहा कि बैठक में जिन बिंदुओं की समीक्षा की गई है, उनसे संबंधित अधिकारी अपने–अपने विभागों की योजनाओं की समीक्षा कर पात्र व्यक्तियों तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बैठक में विधान परिषद सदस्य प्रतिनिधि अंबरीश राय उर्फ मंटू राय, हरिवक्श सिंह, ई. सुधांशु सिंह, विभिन्न जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी आलोक कुमार, मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी समेत सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राजपुर में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, प्रेम प्रसंग की अशंका

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के जंगल कौड़िया चौकी अंतर्गत फुलवरिया गांव निवासी 23 वर्षीय रामनारायण सिंह का शव सोमवार को कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के राजपुर गांव में एक पेड़ से लटकता मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, शव के पास से एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद हुआ। मोटरसाइकिल के चेसिस नंबर के आधार पर युवक की पहचान रामनारायण सिंह पुत्र निवासी फुलवरिया गांव के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि रामनारायण रविवार रात करीब 10 बजे घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा।

सोमवार सुबह उसका शव राजपुर गांव में एक पेड़ से लटकता मिला, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।गांव के कुछ लोगों का कहना है कि युवक का पिछले तीन वर्षों से एक युवती के साथ प्रेम संबंध था। हालांकि पुलिस ने इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच और युवक के मोबाइल की जांच कर घटना के कारणों का पता लगाने की मांग की है। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा विवादः जांच की मांग वाली पीआईएल पर तत्काल सुनवाई से हाईकोर्ट का इनकार

संवाददाता–अयोध्या। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सोमवार को अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में प्राप्त चढ़ावे के कथित दुरुपयोग एवं वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर तत्काल एवं क्रम से हटकर सुनवाई करने से इंकार कर दिया। अवकाशकालीन पीठ के न्यायमूर्ति पंकज भाटिया और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय ने मौखिक रूप से कहा कि मामले में ऐसी कोई तात्कालिकता नहीं है, जिसके आधार पर इसे अन्य मामलों से पहले सुना जाए।

यह टिप्पणी उस समय की गई जब याचिकाकर्ता मोहित अशोक ने अदालत के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए इसकी तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। इस पर पीठ ने कहा कि उसके समक्ष पहले से ही बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं और ऐसे में इस याचिका को क्रम से हटकर सुनने का कोई औचित्य नहीं बनता। पीठ ने यह भी मौखिक रूप से कहा कि राज्य सरकार पहले ही इस मामले में संज्ञान ले चुकी है और आवश्यक पहल कर रही है। ऐसे में तत्काल सुनवाई की कोई विशेष आवश्यकता प्रतीत नहीं होती। उल्लेखनीय है कि सोमवार को खंडपीठ के समक्ष 529 नए मामले सूचीबद्ध थे। वहीं, मोहित अशोक की जनहित याचिका वाद सूची में क्रम संख्या 392 पर पहले से सूचीबद्ध है। याचिका में राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चढ़ावे की राशि के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही पूरे मामले का भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से ऑडिट कराने का भी अनुरोध किया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। याचिका में मंदिर निधि के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय के हस्तक्षेप की मांग की गई है। हालांकि, खंडपीठ ने तत्काल सुनवाई की मांग खारिज करते हुए मामले के गुण–दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की। अब याचिका पर उसकी निर्धारित क्रम संख्या के अनुसार सुनवाई होने की संभावना है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 144 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अतिरिक्त अधिकारी प्रथम बस्ती जिला बस्ती

ज्ञानदास
बनाम
ग्रामसभा आदि

ग्राम जनजनकला तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
1– गांवसभा अमईपार जरिये प्रधान ग्राम जनजनकला तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. उत्तर प्रदेश सरकार जरिये कलेक्टर महोदय बस्ती

तारीख पेशी 23–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

ओबीसी मोर्चा ने निकाली रैली, जाति आधारित जनगणन, बैलेट पेपर से चुनाव की मांग

संवाददाता–संतकबीर नगर। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा ने सोमवार को राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तीसरे चरण के तहत एक रैली निकाली। जूनियर हाई स्कूल खलीलाबाद से मेहदावल बाईपास तक निकाले गए इस जुलूस के बाद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन अपर उप जिलाधिकारी को सौंपा। रैली को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष संदीप यादव ने कहा कि ओबीसी समाज की वास्तविक संख्या और सामाजिक स्थिति का सही आकलन करने के लिए जाति आधारित जनगणना आवश्यक है। उन्होंने सरकार से ओबीसी वर्ग की अलग से गणना कर उनके अधिकारों और हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही, ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से चुनाव कराने की भी मांग उठाई गई। बहुजन मुक्ति पार्टी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव आनंद कुमार गौतम ने बताया कि आगामी राष्ट्रीय जनगणना की हाउस लिस्टिंग प्रक्रिया में परिवारों की श्रेणी के लिए केवल अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य का विकल्प दिया गया है। ओबीसी के लिए अलग विकल्प मौजूद नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या का आंकड़ा सामने नहीं आ पाएगा, जो उनके साथ अन्याय है। गौतम ने यह भी कहा कि जनगणना के लिए तैयार किए गए डिजिटल ऐप में दर्ज आंकड़ों के भौतिक सत्यापन की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है, जिससे आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

मोहर्रम से पहले सुरक्षा का शक्ति प्रदर्शन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ में आगामी मोहर्रम को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सोमवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने फ्लैग मार्च किया। इसका उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेना था। अधिकारियों ने मुख्य बाजारों, भीड़भाड़ वाले मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने कानून–व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। शोहरतगढ़ सांप्रदायिक दृष्टि से संवेदनशील कस्बों में से एक है। पूर्व में यहां तनाव और दंगों की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें जानमाल का नुकसान भी हुआ था। इसी कारण मोहर्रम जैसे आयोजनों पर प्रशासन विशेष सतर्कता बरतता है। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और संभ्रांत लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। प्रशासन सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रख रहा है ताकि भ्रामक सूचनाओं से माहौल खराब होने से रोका जा सके। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि मोहर्रम तक लगातार गश्त, फ्लैग मार्च और निगरानी अभियान जारी रहेगा। प्रशासन का लक्ष्य त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है। फ्लैग मार्च में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ और प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी और सुरक्षा व्यवस्था में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

आंधी–बारिश से गिरे चार बिजली पोल

संवाददाता–संतकबीर नगर। जिले के धर्मसिंहवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या 09 स्थित छिबरा मोड़ पर तेज आंधी और बारिश के कारण चार बिजली के खंभे गिर गए। इस घटना से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई, हालांकि एक बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, रामकेवल मौर्य, रविन्द्र मौर्य और सलीम मुजावर के घरों के सामने एक साथ तीन बिजली के खंभे धराशायी हो गए। इसके अतिरिक्त, एक अन्य खंभा प्राथमिक विद्यालय परिसर में भी गिर गया। खंभे गिरने से पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गनीमत रही कि घटना के समय कोई व्यक्ति खंभों की चपेट में नहीं आया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग से जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त खंभों को बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com